दिन–रविवार दिनांक– 28 / 09 / 2025

प्रसार भारती
(भारत का लोक सेवा प्रसारक)
प्रादेशिक समाचार एकांश
आकाशवाणी, पटना

प्रसारणः– अपराह्न 02:00 बजे से। अवधिः– 05 मिनट

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोगों से वोकल फॉर लोकल के मंत्र को स्मरण रखते हुए आगामी त्यौहारों के मौसम को स्वदेशी उत्पादों के साथ मनाने की अपील की है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने आज आकाशवाणी पर मन की बात कार्यक्रम की 126वीं कड़ी में अपने विचार साझा करते हुए कहा कि आगामी दिनों में कई त्यौहार हैं और जीएसटी बचत उत्सव भी चल रहा है। श्री मोदी ने कहा कि स्वदेशी उत्पादों को खरीदने से परिवार में तो खुशी आयेगी ही, कारीगरों के परिश्रम का भी सम्मान होगा और युवा उद्यमियों के सपनों को पंख भी लगेंगे।

प्रधानमंत्री ने स्त्री शक्ति को नमन करते हुए कहा कि इन दिनों नवरात्र के दौरान शक्ति की उपासना की जा रही है। श्री मोदी ने कहा कि अब कारोबार से लेकर खेल जगत तक और शिक्षा से लेकर विज्ञान तक– हर क्षेत्र में बेटियां अपनी पहचान बना रही हैं। श्री मोदी ने नौसेना की दो बहादुर अधिकारियों लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना और रूपा की उपलब्धि की चर्चा की जो नाविका सागर परिक्रमा के दौरान आठ महीने तक समुद्र में रहीं।

प्रधानमंत्री ने मन की बात में महापर्व छठ की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि छठ पूजा अब एक वैश्विक उत्सव में बदल रहा है। श्री मोदी ने कहा कि सरकार छठ महापर्व को यूनेस्को की सांस्कृतिक धरोहर–सूची में शामिल कराने का प्रयास कर रही है। श्री मोदी ने कहा कि इस सूची में शामिल होने से दुनियाभर के लोग छठ पूजा की भव्यता और दिव्यता का अनुभव कर सकेंगे।

आगामी 2 अक्तूबर को गांधी जयंती के संबंध में प्रधानमंत्री ने कहा कि महात्मा गांधी ने हमेशा स्वदेशी को अपनाने पर बल दिया, जिसमें खादी सबसे प्रमुख थी। उन्होंने कहा कि पिछले ग्यारह वर्षों के दौरान देश में खादी के प्रति आकर्षण बहुत बढ़ा है और इसकी बिक्री में भी तेज़ी आई है। श्री मोदी ने देशवासियों से दो अक्तूबर को

कोई न कोई खादी उत्पाद खरीदने और उसे वोकल फॉर लोकल हैशटैग के साथ सोशल मीडिया पर साझा करने की अपील की।

प्रधानमंत्री ने हथकरघा और हस्थशिल्प क्षेत्र में हो रहे बदलावो ंको लेकर प्रसन्नता व्यक्त की है। प्रधानमंत्री ने बिहार के मधुबनी जिले की स्वीटी कुमारी की चर्चा की जिन्होंने संकल्प क्रिएशंस नामक स्टार्टअप से मिथिला पेंटिंग को महिलाओं की आजीविका का साधन बना दिया है। आज पांच सौ से अधिक ग्रामीण महिलाएं उनसे जुड़ी हैं आत्मनिर्भरता की राह पर हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आने वाले दिनों में देशभर में विजयादशमी मनाई जायेगी। उन्होंने कहा कि इस बार की विजयादशमी एक वजह से बहुत विशेष है क्योंकि इसी दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूरे हो रहे हैं। श्री मोदी ने कहा कि 100 वर्ष की यह यात्रा असाधारण और अभूतपूर्व रही है। श्री मोदी ने देशवासियों को आगामी त्योहारों और ख़ासकर दीपावली की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने फिर कहा कि स्वदेशी उत्पाद को बढ़ावा देकर ही देश आत्मनिर्भर बन सकता है।

————————————————————————————

उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने कहा है कि भाषाओं और बोलियों की विविधता के बावजूद भारत धर्म के सूत्र में बंधा होने के कारण एकजुट है। श्री राधाकृष्णन आज पटना ज्ञान भवन में साहित्य अकादमी द्वारा आयोजित साहित्य महोत्सव उन्मेष के तीसरे संस्करण के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश की भाषाएं, साहित्य और संस्कृति समान अभिव्यक्ति मूल्यों को साझा करती हैं और मतभेदों को पाटने में मदद करती हैं। उपराष्ट्रपति ने साहित्य महोत्सव की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन एक भारत, श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को अभिव्यक्त करते हैं। उन्होंने बिहार की समृद्ध संस्कृति, धरोहर और परंपराओं की प्रशंसा की। उपराष्ट्रपति ने कहा कि वास्तव में बिहार ही लोकतंत्र की जन्मभूमि है। इस अवसर पर राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खां, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा और राज्य के पर्यटन मंत्री राजू कुमार सिंह समेत अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

————————————————————————————

शारदीय नवरात्र के सातवें दिन आज देवी दुर्गा के छठे स्वरूप कात्यायनी की पूरे विधि विधान के साथ पूजा अर्चना की जा रही है। पटना के प्रसिद्ध शक्तिपीठ बड़ी पटनदेवी समेत प्रदेशभर के प्रमुख शक्तिपीठों और मंदिरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु देवी की पूजा–अर्चना कर रहे हैं।

———————————————————————————

समाप्त